

डॉ. अगस्त कोकेल, क्रॉनिकल्स, सत्र 19, वादे का संरक्षण

© 2024 गस कोकेल और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. ऑगस्ट कोकेल द्वारा इतिहास की पुस्तकों पर दिए गए अपने उपदेश हैं। यह सत्र 19 है, प्रतिज्ञा का संरक्षण।

जबकि यहोशापात का शासन अम्मोन, मोआब और एदोम की सेनाओं की हार के साथ बहुत ही सकारात्मक रूप से समाप्त हुआ, जो कुछ भी हो रहा था उसका एक और नकारात्मक पहलू था, जो उसके बेटे के शासनकाल के विवरण में और अधिक स्पष्ट हो जाता है।

हमने देखा कि उत्तर के राजा यहोशापात और अहाब के बीच गठबंधन था, और उस गठबंधन का नतीजा यह हुआ कि राजा अहाब की बेटी अतल्याह ने यहोशापात के बेटे से शादी कर ली। यह सब एक तरह से राजनीतिक गठबंधन का हिस्सा था। अब, यह सब इतिहासकारों द्वारा ज्ञान के रूप में माना जाता है, लेकिन जब हम जेहोराम की कहानी पर आते हैं, तो हम देखते हैं कि उत्तर के साथ यह गठबंधन दाऊद के सभी वंशजों को सिंहासन पर बैठने से बहुत करीब ले गया था।

इतिहासकार उस बिंदु को नज़रअंदाज़ नहीं करते, क्योंकि वे हमें यहोशापात के बेटे योराम के शासनकाल के बारे में बताते हैं। यहाँ यह थोड़ा भ्रमित करने वाला हो सकता है क्योंकि अहाब का बेटा भी योराम था। यह एक ऐसी प्रथा थी जिसमें एक ही नाम दिया जाता था, जो इन दोनों राजाओं के बीच घनिष्ठ संबंध का एक और संकेत है।

राजनीतिक दृष्टिकोण से, इस्राएल अधिक शक्तिशाली राष्ट्र था, और यह समझ में आता था कि यहोशापात इस्राएल के साथ गठबंधन में होगा। लेकिन परमेश्वर के राज्य के दृष्टिकोण से, यह एक बहुत ही नकारात्मक और बुरी बात थी, जो इतिहासकार द्वारा यहोशापात के शासनकाल को प्रस्तुत करने के तरीके को नहीं दर्शाता है, लेकिन यह निश्चित रूप से उसके बेटे, जेहोराम के शासनकाल को दर्शाता है। इसलिए, जेहोराम के शासनकाल में हम जो पहली चीज़ देखते हैं, वह है रानी अथलिया द्वारा शाही घराने का शुद्धिकरण, जो ईज़ेबेल की बेटी थी।

हम एदोम के अधीनीकरण को भी आगे देखते हैं। आपको याद होगा कि दाऊद ने एदोम को इस्राएली साम्राज्य का हिस्सा बना दिया था, लेकिन निश्चित रूप से, एदोम हमेशा उस नियंत्रण के लिए प्रतिरोधी था और अपने स्वयं के राजकुमार और शासक को इस्राएल से स्वतंत्र रूप से कार्य करने में सफल होने का प्रयास करता था। इसलिए, जोहोराम जो करने में सक्षम है, और शायद यहाँ उत्तरी इस्राएल के अपने सहयोगी की मदद को दर्शाता है, वह एदोम को अधीनता में लाना है, जिसका अर्थ है कि वह फिर से उस बंदरगाह, एज़ियोन-गेबर में उस बहुत महत्वपूर्ण शिपिंग केंद्र का उपयोग करने में सक्षम है।

लेकिन यहाँ हम एलीशा के एक भयानक पत्र में जेहोराम के नकारात्मक पक्ष को प्रस्तुत करते हैं। यह इतिहास की पुस्तक में सबसे पेचीदा चीजों में से एक है, यह पत्र जो एलीशा ने जेहोराम को भेजा था। अब, एक बिंदु पर, यह एक तत्काल विरोधाभास लग सकता है क्योंकि, जैसा कि हम राजाओं की पुस्तक से जानते हैं, एलीशा को यहोशापात के शासनकाल के दौरान स्वर्ग में स्थानांतरित कर दिया गया था।

यह 2 राजा अध्याय 2 में है। फिर 2 राजा अध्याय 3 में मोआब के विरुद्ध युद्ध है। और इसलिए, ऐसा लगता है कि यहोशापात ही युद्ध करने जा रहा है। लेकिन यहाँ हम देखते हैं कि एलीशा इस युद्ध के दौरान भी मौजूद है, और यहोशापात के बेटे जेहोराम को एक भयानक पत्र भेज रहा है। अब वास्तव में, यह एक कालानुक्रमिक समस्या नहीं है जब हम कालक्रम की प्रणाली की जटिलता को समझना शुरू करते हैं जिसका प्रतिनिधित्व किया जाता है।

अक्सर दो राजा एक ही समय में शासन करते थे और इसके पीछे बहुत अच्छे कारण थे। एक राजा अपने बेटे को सह-शासक के रूप में नियुक्त करता था, जबकि वह अभी भी शासन कर रहा था। इस मामले में, कारण शायद यह था कि यहोशापात को मोआब और अम्मोन के खतरे का सामना करना पड़ रहा था, और उस समय उसके बेटे को सिंहासन पर बिठाया गया था।

तो, वास्तव में, एलीशा के जीवित रहते ही यहोशापात ने जेहोराम को राजा नियुक्त कर दिया था। और इस बीच, एलीशा मोआब के साथ युद्ध करने चला गया। लेकिन एलीशा जेहोराम को यह चेतावनी देता है कि जिस तरह से वह अपनी माँ अतल्याह के तरीकों का अनुसरण कर रहा है और उत्तर की प्रथाओं को यहूदा में ला रहा है, वह पूरी तरह से परमेश्वर के कार्य और परमेश्वर की इच्छा के विपरीत है।

और इसलिए, बेशक, वह पलिशियों और अरबों के हमलों का अनुभव करता है, जिसे उसके शासन और उसके साम्राज्य के कम होने के रूप में वर्णित किया गया है। और अंत में, वह एक दर्दनाक बीमारी से मर जाता है। इसलिए, यहोशापात का शासन, क्षमा करें, जेहोराम का शासन अच्छा नहीं रहा।

लेकिन यह हमें अहज्याह के शासनकाल में ले आता है। वह यहोशापात का पुत्र और इज़ेबेल की बेटी अतल्याह का पुत्र है। वह केवल एक वर्ष तक शासन करता है और हजाएल के विरुद्ध इस्राएल के साथ गठबंधन में शामिल है।

और आपको याद होगा कि वह राजा है जो अहाब से मिलने जाता है, जो अरामियों के खिलाफ लड़ाई में मिले घावों से उबरने की कोशिश कर रहा है। यह वह बिंदु है जिस पर भगवान ने येहू को, किसी खास अर्थ में, हस्तक्षेप करने और ओमनी, अहाब और उसके बेटों, योराम और अहज्याह के वंशजों के शासन के इस प्रभाव को समाप्त करने के लिए नियुक्त किया है। और इस तरह, यह राजा सिर्फ एक साल में मारा जाता है।

तो, यह वह बिंदु है जिस पर यहूदा की भूमि में दाऊद के वंशजों के खिलाफ खतरा समाप्त होने के करीब है। सिंहासन के सभी उत्तराधिकारियों को खत्म करने का प्रयास किया जाता है ताकि

उत्तर दक्षिण पर पूरी तरह से कब्ज़ा कर सके। लेकिन जैसा कि इतिहासकार हमें दिखाएंगे, भगवान द्वारा हस्तक्षेप किया जाता है और दाऊद के लिए एक दीपक सुरक्षित रखा जाता है।

यह उनके पसंदीदा वाक्यांशों में से एक है, कि ईश्वर ने यह निर्धारित किया है कि ईश्वर एक दीपक, एक प्रकाश, जो कि दाऊद का घराना है, को सुरक्षित रखेगा। और इसलिए, हम देखेंगे कि यह कहानी हमारे अगले एपिसोड में कैसे जारी रहती है।

यह डॉ. ऑगस्ट कोकिल द्वारा इतिहास की पुस्तकों पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 19 है, प्रतिज्ञा का संरक्षण।